अंक-184 कानपुर, गुरूवार 5 सितम्बर 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किया प्रक्षेत्र भ्रमण और मनाया धान फ़सल का प्रक्षेत्र दिवस

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर कड़ी संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा आज धान फसल का प्रक्षेत्र दिवस मनाया गया। केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने बताया कि खपतवारों के प्रकोप से धान के उत्पादन में कमी आ जाती है। वहीं खरपतवार धान की फसल को नुकसान भी पहुंचाती है। ये खरपतवार वे अवांछित पौधे होते हैं जिनकी खेत में जरूरत नहीं होती है, क्योंकि इन्हीं खरतपवारों में कीट भी पनप जाते हैं और धान की खेती को नुकसान पहुंचाते हैं। यदि समय पर इन खरतपवारों को खेत से नहीं हटाया जाता है तो ये धान की फसल के साथ बड़े होकर धान के उत्पादन में बाधा पहुंचाते हैं। परिणामस्वरूप धान के उत्पादन में कमी आ जाती है। कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत खरपतवारों के प्रबंधन हेतु बिस्पायरीबैक सोडियम साल्ट का वितरण विभिन्न गांव जैसे फंदा, बिहारी पुरवा, करोम, अरशदपुर, गणेशपुर, सहतावन पुरवा इत्यादि में किया गया था।जिसको डालने से सभी तरह के खरपतवारों से मुक्ति मिल जाती है विस्परी बैक द्वारा 90 से 95ब्र तक खरपतवार नष्ट हो जाते हैं इसी परिणाम को और क्रश को बताने वह उन्हें प्रक्षेत्र दिखाकर दवा की जानकारी देने हेतु कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम बिहारी पुरवा में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने कहा बिस्पाइरीबैक-सोडियम, बिस्पाइरीबैक का कार्बनिक सोडियम नमक है। इसका उपयोग चावल की फसलों में घास, सेज और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए एक व्यापक स्पेक्ट्रम पोस्ट-इमर्जेंट शाकनाशी के रूप में किया जाता है। कृषि वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, डॉ शशिकांत, डॉ निमिषा अवस्थी सहित सभी ने देशराज भारती, रमेश इत्यादि की फसल का अवलोकन किया।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किया प्रक्षेत्र भ्रमण और मनाया धान फसल का प्रक्षेत्र दिवस

दि ग्राम टुडे, कानपुर। (संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर कड़ी संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा आज धान फसल का प्रक्षेत्र दिवस मनाया गया। केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने बताया कि खपतवारों के प्रकोप से धान के उत्पादन में कमी आ जाती है। वहीं खरपतवार धान की फसल को नुकसान भी पहुंचाती है। ये खरपतवार वे अवांछित पौधे होते हैं जिनकी खेत में जरूरत नहीं होती है, क्योंकि इन्हीं खरतपवारों में कीट भी पनप जाते हैं और धान की खेती को नुकसान पहुंचाते हैं। यदि समय पर इन खरतपवारों को खेत से नहीं हटाया जाता है तो ये धान की फसल के साथ बड़े होकर धान के उत्पादन में बाधा पहुंचाते हैं। परिणामस्वरूप धान के उत्पादन में कमी आ जाती है। कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत खरपतवारों के प्रबंधन हेतु बिस्पायरीबैक सोडियम साल्ट का वितरण विभिन्न गांव जैसे फंदा, बिहारी पुरवा, करोम, अरशदपुर, गणेशपुर, सहतावन पुरवा इत्यादि में किया गया था जिसको डालने से सभी तरह के

खरपतवारों से मुक्ति मिल जाती है विस्परी बैक द्वारा 90 से 95% तक खरपतवार नष्ट हो जाते हैं इसी परिणाम को और क्रश को बताने वह उन्हें प्रक्षेत्र दिखाकर दवा की जानकारी देने हेतु कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम बिहारी पुरवा में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने कहा बिस्पाइरीबैक-सोडियम, बिस्पाइरीबैक का कार्बनिक सोडियम नमक है। इसका उपयोग चावल की फसलों में घास, सेज और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए एक व्यापक स्पेक्ट्रम पोस्ट-इमर्जेंट शाकनाशी के रूप में किया जाता है। कृषि वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, डॉ शशिकांत, डॉ निमिषा अवस्थी सहित सभी ने देशराज भारती, रमेश इत्यादि की फसल का अवलोकन किया

वर्ष 08, अंक 172, कानपुर, गुरुवार, 5 सितम्बर 2024
पृष्ठ- 08, मूल्य- 02 रुपये www.shashwattimes.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

शाश्वत टाइम्स

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किया प्रक्षेत्र भ्रमण और मनाया धान फ़सल का प्रक्षेत्र दिवस

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर कड़ी संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा धान फसल का प्रक्षेत्र दिवस मनाया गया। केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने बताया कि खपतवारों के प्रकोप से धान के उत्पादन में कमी आ जाती है। वहीं खरपतवार धान की फसल को नुकसान भी पहुंचाती है। ये खरपतवार वे अवांछित पौधे होते हैं जिनकी खेत में जरूरत नहीं होती है, क्योंकि इन्हीं खरतपवारों में कीट भी पनप जाते हैं और धान की खेती को नुकसान पहुंचाते हैं। यदि समय पर इन खरतपवारों को खेत से नहीं हटाया जाता है तो ये धान की फसल के साथ बड़े होकर धान के उत्पादन में बाधा पहुंचाते हैं। परिणामस्वरूप धान के उत्पादन में कमी आ जाती है। कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत खरपतवारों के प्रबंधन हेतु बिस्पायरीबैक सोडियम साल्ट का वितरण विभिन्न गांव जैसे फंदा, बिहारी पुरवा, करोम, अरशदपुर, गणेशपुर, सहतावन पुरवा इत्यादि में किया गया था।जिसको डालने से सभी तरह के खरपतवारों से मुक्ति मिल जाती है विस्परी बैक द्वारा 90 से 95ब तक खरपतवार नष्ट हो जाते हैं इसी परिणाम को और क्रश को बताने वह उन्हें प्रक्षेत्र दिखाकर दवा की जानकारी देने हेतु कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम बिहारी पुरवा में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने कहा बिस्पाइरीबैक-सोडियम, बिस्पाइरीबैक का कार्बनिक सोडियम नमक है। इसका उपयोग चावल की फसलों में घास, सेज और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए एक व्यापक स्पेक्ट्रम पोस्ट-इमर्जेंट शाकनाशी के रूप में किया जाता है। कृषि वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, डॉ शशिकांत, डॉ निमिषा अवस्थी सहित सभी ने देशराज भारती, रमेश इत्यादि की फसल का अवलोकन किया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 66 कानपुर, गुरुवार 05 सितम्बर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

वैज्ञानिकों ने किया प्रक्षेत्र भ्रमण और मनाया धान फ़सल का प्रक्षेत्र दिवस।

कानपुर । सीएसए के कड़ी संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा धान फसल का प्रक्षेत्र दिवस मनाया गया। केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने बताया कि खपतवारों के प्रकोप से धान के उत्पादन में कमी आ जाती है। वहीं खरपतवार धान की फसल को नुकसान भी पहुंचाती है। ये खरपतवार वे अवांछित पौधे होते हैं जिनकी खेत में जरूरत नहीं होती है, क्योंकि इन्हीं खरतपवारों में कीट भी पनप जाते हैं और धान की खेती को नुकसान पहुंचाते हैं। यदि समय पर इन खरतपवारों को खेत से नहीं हटाया जाता है तो ये धान की फसल के साथ बड़े होकर धान के उत्पादन में बाधा पहुंचाते हैं। परिणामस्वरूप धान के उत्पादन में कमी आ जाती है। कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत खरपतवारों के प्रबंधन हेतु बिस्पायरीबैक सोडियम साल्ट का वितरण विभिन्न गांव जैसे फंदा, बिहारी पुरवा, करोम, अरशदपुर, गणेशपुर, सहतावन पुरवा इत्यादि में किया गया था जिसको डालने से सभी तरह के खरपतवारों से मुक्ति

मिल जाती है विस्परी बैक द्वारा 90 से 95ब तक खरपतवार नष्ट हो जाते हैं इसी परिणाम को और क्रश को बताने वह उन्हें प्रक्षेत्र दिखाकर दवा की जानकारी देने हेतु कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम बिहारी पुरवा में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने कहा बिस्पाइरीबैक-सोडियम, बिस्पाइरीबैक का कार्बनिक सोडियम नमक है। इसका उपयोग चावल की फसलों में घास, सेज और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए एक व्यापक स्पेक्ट्रम पोस्ट-इमर्जेंट शाकनाशी के रूप में किया जाता है। कृषि वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, डॉ शशिकांत, डॉ निमिषा अवस्थी सहित सभी ने देशराज भारती, रमेश इत्यादि की फसल का अवलोकन किया।

सहारा

कानपुर • बृहस्पतिवार • 5 सितम्बर • 2024

कृषि वैज्ञानिकों ने खेतों में जाकर मनाया धान प्रक्षेत्र दिवस

क्रानपुर (एसएनबी)। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने वुधवार को क्षेत्र का भ्रमण किया और धान फसल का प्रक्षेत्र दिवस मनाया।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में आज धान फसल का क्षेत्र दिवस मनाया गया। केंद्र के प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने वताया कि खरपतवारों के प्रकोप से धान के उत्पादन में कमी आ जाती है। वहीं, खरपतवार धान की फसल को नुकसान भी पहुंचाती है। ये खरपतवार वे अवांछित पौधे होते हैं, जिनकी खेत में जरूरत नहीं होती है, क्योंकि इन्हीं खरतपवारों में कीट भी पनप जाते हैं और धान की खेती को नुकसान पहुंचाते हैं। यदि समय पर इन खरतपवारों को खेत से नहीं हटाया जाता है तो ये धान की फसल के साथ वड़े होकर धान के उत्पादन में वाधा पहुंचाते हैं। परिणामस्वरूप धान के उत्पादन में कमी आ जाती है।

> सीएसए के दलीप नगर कृषि विज्ञान केंद्र में किया गया आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत खरपतवारों के प्रवंधन हेतु विस्पायरीवैक सोडियम साल्ट का वेतरण विभिन्न गांव जैसे फंदा, विहरी पुरवा, करोम, अरशदपुर, गणेशपुर, सहतावन पुरवा इत्यादि में किया गया था, जिसको डालने से सभी तरह के खरपतवारों से मुक्ति मिल जाती है। विस्परी वैक द्वारा 90 से 95 फीसद तक खरपतवार नप्ट हो जाते हैं। इसी परिणाम को और क्रश को वताने वह उन्हें प्रक्षेत्र दिखाकर दवा की जानकारी देने हेतु कृषि वेज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम विहरी पुरवा में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा वेस्पाइरीवैक-सोडियम, विस्पाइरीवैक का कार्वनिक सोडियम नमक है। इसका उपयोग चावल की फसलों में घास, सेज और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए एक व्यापक स्पेक्ट्रम पोस्टइमर्जेंट शाकनाशी के रूप में किया जाता है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय, डॉ. शशिकांत, डॉ. निमिपा अवस्थी सहित सभी ने देशराज भारती, रमेश इत्यादि की फसल का अवलोकन किया।

वैज्ञानिकों ने किया प्रक्षेत्र भ्रमण

भ्रमण करते वैज्ञानिक।

कानपुर, 4 सितम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर कड़ी संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर में आज धान फसल का प्रक्षेत्र दिवस मनाया गया। केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने बताया कि खपतवारों के प्रकोप से धान के उत्पादन में कमी आ जाती है। वहीं खरपतवार धान की फसल को नुकसान भी पहुंचाती है। ये खरपतवार वे अवांछित पौधे होते हैं जिनकी खेत में जरूरत नहीं होती है, क्योंकि इन्हीं खरतपवारों में कीट भी पनप जाते हैं और धान की खेती को नुकसान पहुंचाते हैं। यदि समय पर इन खरतपवारों को खेत से नहीं हटाया जाता है तो ये धान की फसल के साथ बड़े होकर धान के उत्पादन में बाधा पहुंचाते हैं। परिणामस्वरूप धान के उत्पादन में कमी आ जाती है। कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत खरपतवारों के प्रबंधन हेतु बिस्पायरीबैक सोडियम साल्ट का वितरण विभिन्न गांव जैसे फंदा, बिहारी पुरवा, करोम, अरशदपुर, गणेशपुर, सहतावन पुरवा इत्यादि में किया गया था।